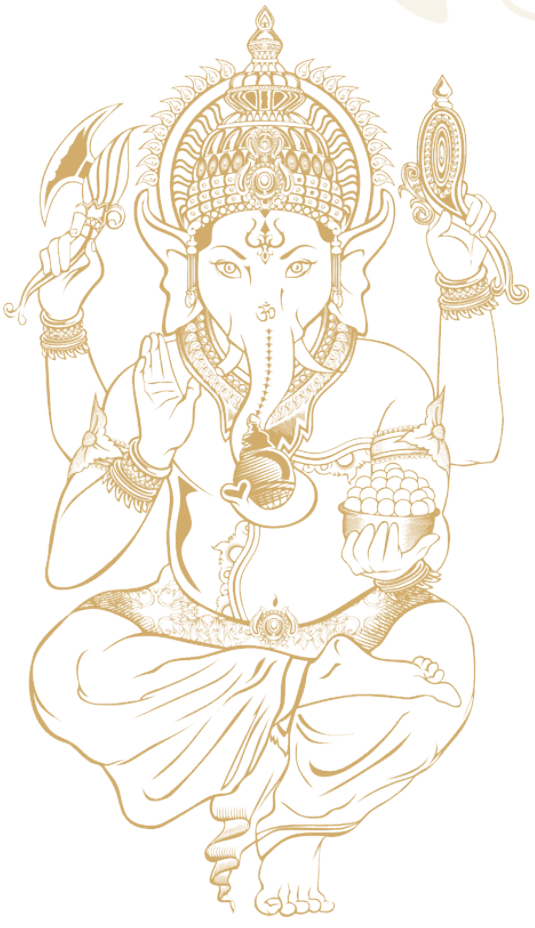

Hitesh sharma

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121881704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/11/1998	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:20:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 18:55:34	जन्म समय(घटी)	31:08:13 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Kota
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:46	सूर्योदय	06:10:53
17:39:53	सूर्यास्त	18:33:42
23:50:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 0वर्ष 5मा 5दि		16:39:48	कुंभ	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
बुध		22:54:21	तुला	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
15/04/2018		02:58:27	कर्क	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
16/04/2035		25:49:14	सिंह	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
बुध	11/09/2020	15:35:44	वृश्चि	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
केतु	08/09/2021	24:21:11	कुंभ व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
शुक्र	09/07/2024	25:28:43	तुला	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
सूर्य	15/05/2025	05:01:47	मेष व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
चन्द्र	15/10/2026	03:59:45	सिंह व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
मंगल	12/10/2027	03:59:45	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
राहु	30/04/2030	15:10:06	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
गुरु	05/08/2032	05:46:37	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
शनि	16/04/2035	13:16:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

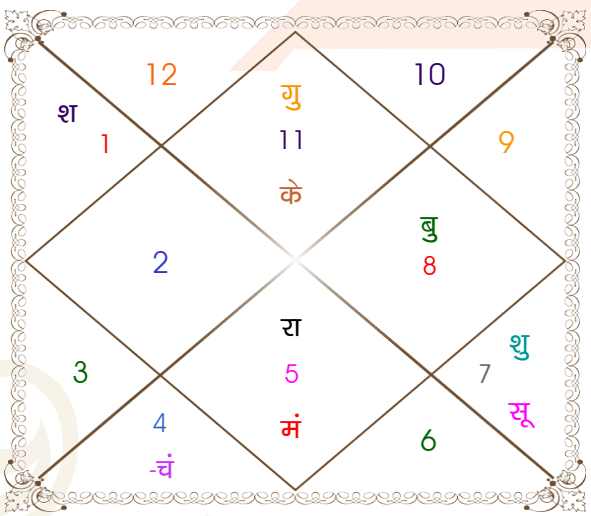

लग्न-चलित

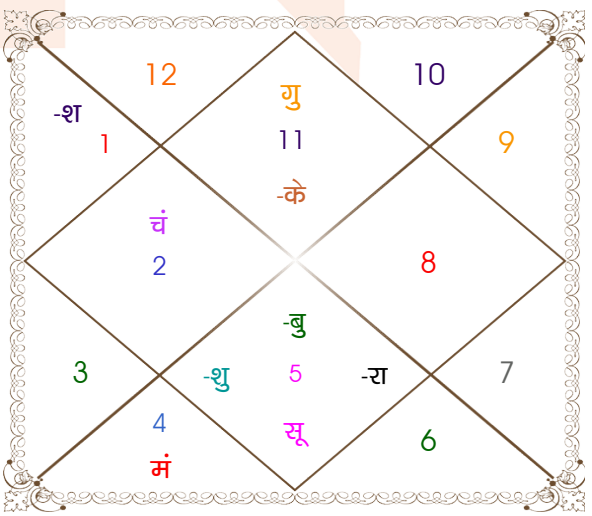

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Hitesh sharma का वर्ग मेष है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार Hitesh sharma और V का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Hitesh sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Hitesh sharma कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कV जाता है।

क्योंकि Hitesh sharma कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कV जाता है।

क्योंकि राहु V कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

Hitesh sharma तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।